युवा जीवन

जून 2023

असफलता से निराश न हों,
अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के

लिए परिश्रम करें।

प्रस्तावना

उसने परिश्रम किया!

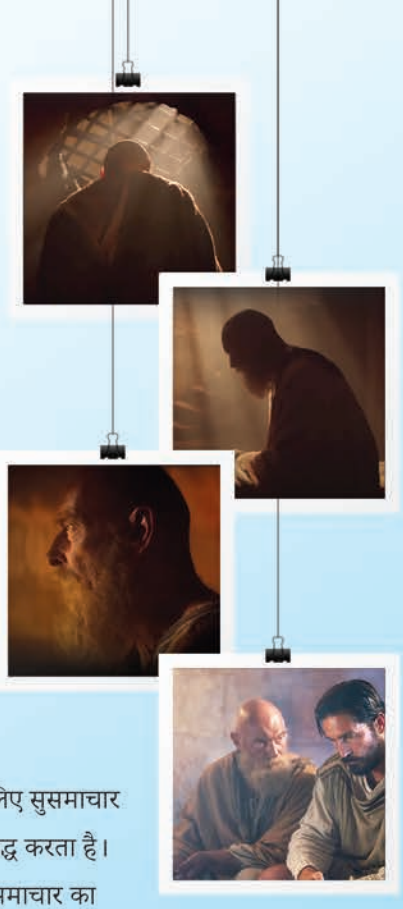

सभी प्यारे युवा दिलों को हार्दिक शुभकामनाएं!

शाऊल यहूदी धर्म का एक उत्साही अनुयायी था और उसने मसीह के नाम को पूरी तरह से नष्ट करने के कई प्रयास किए। दमिश्क के रास्ते में, उसने पश्चाताप किया और जब उसने सच्चे परमेश्वर का सामना किया, तो उसने उत्साह से कहा, 'यीशु मसीह परमेश्वर है' और सुसमाचार को पौलुस के रूप में महाद्वीपों तक ले जाने के लिए परिश्रम किया।

उन्होंने एशिया माइनर और यूरोप के महाद्वीपों में सुसमाचार का प्रचार किया। कई विरोधों, साज़िशों, क्लेशों और जीवन-धमकी देने वाली परिस्थितियों का सामना करते हुए कोई भी पौलुस के सुसमाचार प्रचार करने श्रम को इनकार नहीं कर सकता है।

पांच बार मैंने यहूदियों के हाथ से उनतालीस उनतालीस कोड़े खाएं,(195 कोडे)
तीन बार मैंने बेंतें खाई,
एक बार पत्थराव किया गया
तीन बार जहाज जिन पर मैं चढ़ा था टूट गये
एक दिन रात मैंने समुद्र में काटा
मैं बार बार यात्राओं में था
नदियों में जोखिमो में
नगरों में जोखिमो में
मुझे डाकुओं के ख़तरों में था
जंगल के जोखिमो में था
समुद्र के जोखिमो में
मेरे साथी यहूदियों के जोखिमो था
झूठे विश्वासियों के बीच जोखिमो में था
परिश्रम और कष्टों में
बार बार उपवास करने में
जाड़े और नंगे रहने मे था।

2 कुरिन्थियों 11:24-28 में वह मसीह के लिए सुसमाचार को ले जाने के लिए अपने प्रयासों को सूचीबद्ध करता है। ये सब क्लेश उस पर पड़े थे, क्योंकि वह सुसमाचार का प्रचार करना चाहता था। सभी क्लेशों में, पौलुस न तो थके, न पीछे हटे, न ही डरे, बल्कि साहस और ईमानदारी से सुसमाचार का प्रचार करने के लिए उठे।

इसके अलावा, वह सभी जगहों पर गया और प्रचार किया, पौलुस वह था जिसने अनुवर्ती कार्य को सही ढंग से करने के लिए काम किया। इन सभी क्लेशों में, उन्होंने समय बर्बाद नहीं किया और चूंकि आत्माओं के बोझ ने उन्हें प्रेरित किया, इसलिए उन्होंने हर कलीसिया को पत्र लिखे।

आज वे सब पत्रियों के रूप में और हमें जीवन देने वाले परमेश्वर के वचन के रूप में हैं। यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि श्रम का दूसरा नाम पौलुस है। यदि ऐसा व्यक्ति प्रयास कर सकता है, तो यह उत्साह और इच्छा पैदा होती है की 'हम भी प्रयास कर सकते हैं'।

मेरे प्रिय युवाओं! परमेश्वर के राज्य के सुसमाचार का प्रचार करने के लिए आपका श्रम इस अंतिम समय की जागृति में आपकी भागीदारी है!

"सुसमाचार का प्रचार करने के लिए प्रेम से परिश्रम करो...!"

मसीह के मिशन में
अविनाश

बेर्शेबा

प्रिय नौजवानों! हर महीने "बाइबल में राष्ट्र" विषय के तहत आपने बाइबल में वर्णित कुछ राष्ट्रों और उसके महत्वपूर्ण शहरों के बारे में रोचक जानकारी पढ़ी और जानी होगी। इसलिए, इस महीने हम बेर्शेबा के बारे में देखने जा रहे हैं।

परिचय

- बेर्शेबा बहुत पुराना शहर है।
- वचनों में बेर्शेबा नाम का उल्लेख 16 बार आया है।
- " बेर" का अर्थ है कुआँ, "शेबा" का अर्थ है सात। इसलिए, बेर्शेबा का अर्थ है सातवाँ कुआँ।
- यह स्थान फ़िलिस्तीन की दक्षिणी सीमा के अंतर्गत आता है।

क्या आप जानते हैं कि इसे बेर्शेबा क्यों कहा जाता था?

इसके पीछे का कारण हमारे विश्वास के पिता अब्राहम हैं। अधिक जानने के लिए, अपनी बाइबल लें और उत्पत्ति 21:31-34 पढ़ें। "इस कारण उस ने उस स्थान का नाम बेर्शेबा रखा, क्योंकि उन दोनों ने वहां शपय खाई थी।" (उत्पत्ति 21:19)

बेर्शेबा के मुख्य आकर्षण

- इब्राहीम बेर्शेबा में पहला अप्रवासी था (उत्पत्ति 22:19)
- चूँकि इसहाक ने भी एक कुआँ खोदा और उसे पानी मिला, इसलिए उसने उसका नाम "शेबा" रखा। इस कारण इस नगर का नाम आज तक बेर्शेबा पड़ा है।
- इसहाक का पुत्र याकूब भी बेर्शेबा में रहा करता था। बाद में वह बेर्शेबा से अरान को कूच करके अपने मामा के घर लाबान गया।
- इस्राएली जो मिस्र में गुलाम थे, और प्रतिज्ञा किए गए देश कनान की यात्रा की। जब यहोशू ने उस देश को इस्राएलियों के भाग होने के लिये बांट दिया, तब उस ने यह नगर यहूदा के गोत्र को दिया।
- शमूएल और उसके पुत्र बेर्शेबा में न्यायी थे।
- इस्त्राएलियों की कैद की अवधि के बाद, नहेमायाह के दिनों में, वे बेर्शेबा और उसके गांवों में बस गए।
- जैसा कि हम इस वर्तमान युग में रहते हैं, शोधकर्ताओं का कहना है कि यह शहर अभी भी एक उपजाऊ और समृद्ध राष्ट्र है।
- यह राष्ट्र जो एक वाचा में शुरू हुआ और आज भी कहा जाता है क्योंकि हमारे पूर्वज, जो विश्वास के नायक थे, ने अपनी आराधना और बलिदानों के माध्यम से सर्वोच्च परमेश्वर के साथ अपने संबंध को प्रकट किया।

प्रिय नौजवानों! सर्वोच्च परमेश्वर यीशु मसीह के साथ आज आपका रिश्ता कैसा है?

चमत्कार पर चमत्कार...

एक बहन जो एक कैथोलिक परिवार में पैदा हुई थी, उसका परमेश्वर के साथ आमना-सामना हुआ था और वह इस मुलाकात के अपने अनुभव को हमारे साथ साझा करेगी।

Sister Jegancy

क्या आप अपने और अपने परिवार के बारे में साझा कर सकती हैं?

मेरा नाम जेगैंसी है। मेरा जन्म तूतीकोरिन जिले के पुन्नैइकयाल नामक स्थान में हुआ था। मैं श्री जेगन और श्रीमती पामिला की सबसे बड़ी बेटी हूं और मेरा एक छोटा भाई है। मेरा पालन-पोषण एक रोमन कैथोलिक परिवार में हुआ। बचपन से ही मैं नियमित रूप से चर्च जाती थी और यीशु की तुलना में माता मरियम के प्रति बहुत समर्पित थी। मुझे हालेलुयाह कहना, गाते समय ताली बजाना या जब कोई मुझे प्रोटेस्टेंट चर्च में आमंत्रित करता, तो मुझे पसंद नहीं था।

ठीक है...आपकी छोटी उम्र में क्या आप चर्च जाती थीं और आराधना करती थीं?

जब मैं 7वीं कक्षा में पढ़ रही थी, तब मेरी माँ दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर रही थीं। एक दिन वह ज़ेवियर चर्च के पास कब्रिस्तान में काम कर रही थी। जब वह उस शाम घर वापस आई, तो उसे लगा कि उसने एक काली आकृति देखी है और डर गई। हमारे गाँव में परमेश्वर का एक सेवक था जिसने आकर मेरी माँ के लिए प्रार्थना की और उसमें कुछ परिवर्तन आया। बाद में, मेरी माँ मुझे और मेरे भाई को पास के एक प्रोटेस्टेंट चर्च में ले गईं। मेरे पिताजी हमारे साथ नहीं गए और मुझे भी कोई दिलचस्पी नहीं थी लेकिन अपनी माँ के साथ जाने के लिए खुद को मजबूर किया। पूरे छह दिन मैं रोमन कैथोलिक चर्च जाती और रविवार को हम प्रोटेस्टेंट चर्च जाते। चर्च के बाद मेरी माँ को फलों का रस, अंगूर और मिठाई आदि मिलती थी और यही मेरी प्रेरणा थी कि मैं उस चर्च में जाऊँ। कुछ महीनों तक हम 6 दिनों तक रोमन कैथोलिक चर्च जाते रहे और रविवार को हम प्रोटेस्टेंट चर्च जाते। मेरे दोस्त मुझसे सवाल करते थे कि मैं रविवार को आरसी चर्च क्यों नहीं आती। मैंने उनसे कहा कि मैं दूसरे चर्च जा रही हूं और उन्होंने मुझे चर्च के फादर को सूचित करने के लिए कहा। जब मैंने सूचित किया कि मैं दूसरे चर्च जा रही हूँ, तो मुझे यह बताते हुए एक पत्र लिखने के लिए कहा गया कि मैं कैथोलिक चर्च से कोई रियायत नहीं लेना चाहती और मैंने बाद में किया, मैं अपनी माँ के साथ प्रोटेस्टेंट चर्च जाने लगी।

तो, आप रोमन कैथोलिक चर्च में नहीं जाते थे लेकिन एक आध्यात्मिक चर्च में जाने के बाद आप में क्या बदलाव आया?

मैं रविवार की कक्षा में जाने लगी। मैं नर्सिंग की पढ़ाई करना चाहती थी लेकिन मैं नहीं कर सकी। अपने घर की स्थिति के कारण मैंने काम पर जाना शुरू किया। मैं तूतीकोरिन की एक कंपनी में काम करती थी। जैसे-जैसे मैं काम पर जाने लगी मेरा प्रार्थना जीवन कम होने लगा। काम से वापस लौटते समय मैं सभी फिल्मी गानों को गाती और नाचती थी। एक दिन, 13 नवंबर 2021 को, मेरे पिताजी को रात भर हिचकी आती रही और वे सो नहीं पाए। जब हिचकी बढ़ रही थी तो उनके सीने में असहनीय दर्द हो रहा था और इसलिए हमने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। हमने एक स्कैन किया और डॉक्टरों ने कहा कि यह शराब के अधिक सेवन के कारण हुआ है। वैसे उनका इलाज चल रहा था पर उनकी हालत में सुधार नहीं हो रहा था। मैंने अस्पताल में अपने पिता के लिए प्रार्थना की। परन्तु जब मैं प्रार्थना कर रही थी, तो मेरे पाप मेरे सामने आ गए। तुरंत मैंने यीशु के सामने कबूल किया और वादा किया कि मैं अब फिल्मी गानों के लिए न तो गाऊंगी और न ही नाचूंगी। मैंने पिताजी को खाना देने से पहले प्रार्थना करना जारी रखा। एक दिन हमने अपनी पारिवारिक प्रार्थना की। उस दौरान, मैंने

अपने पिताजी से कहा कि वे परमेश्वर से प्रतिज्ञा करें कि वे दोबारा शराब नहीं पियेंगे। उन्होंने भी आत्मसमर्पण किया और परमेश्वर से प्रार्थना की। अगले ही दिन मेरे पिताजी को हिचकी नहीं आई। परमेश्वर ने हमारी प्रार्थना सुनी और मेरे पिता को उस बीमारी से बचा लिया। मेरे पिताजी भी हमारे साथ चर्च आने लगे और अब एक साल हो गया है। हम एक परिवार के रूप में चर्च जा रहे हैं। पिछले एक साल से उन्होंने शराब का सेवन भी बंद कर दिया था।

वास्तव में, यह चमत्कार पर एक चमत्कार था ... तब परमेश्वर के साथ आपका रिश्ता कैसा था?

जब मैं कैब से ऑफिस जाती, तो मुझे फिल्म के गाने गाने का मन करता जो कैब में बजता लेकिन मैं सिर्फ यीशु पर निर्भर हूं कि वह मुझे प्रलोभन में

न पड़ने की ताकत दे। 16 फरवरी को मैं बीमार पड़ गयी और सांस लेना मुश्किल हो गया। मुझे सोना मुश्किल हो गया और मुझे मौत का डर था। वैसे तो मैंने फिल्मी गानों के लिए न गाने और न नाचने का संकल्प लिया, पर मुझे You Tube में एक सीरियल देखने की लत लग गई थी। मेरी तबीयत खराब हो रही थी। चूँकि मैं बहुत बीमार थी, मैं चमत्कारिक उद्धार प्रार्थना में भाग लेने गयी और जैसे मैंने प्रार्थना की, मेरे स्वास्थ्य में कुछ परिवर्तन हुए। मैंने वादा किया कि मैं दोबारा सीरियल नहीं देखूंगी। जून 2022 के महीने के दौरान शिविर के पहले दिन, मैंने रात की प्रार्थना के दौरान अपने जीवन को पूरी तरह से समर्पित कर दिया। उस समय, मैंने उसमें एक लाल लपटों वाला दिल देखा। मुझे ऐसा लगा कि कोई मुझसे बात कर रहा है और कह रहा है, "मैंने तुम्हारा दिल को अपने जैसा बदल दिया है।" मुझे लगा कि मेरे पाप धुल गए।

शिविर के दूसरे दिन, मुझे बताया गया कि परमेश्वर हम में से प्रत्येक को अपनी बुलाहट प्रकट करेगा। इसलिए, मैंने परमेश्वर से प्रार्थना की कि वह मेरे लिए और मेरी बुलाहट के बारे में अपनी योजनाओं को प्रकट करे। जिसके बाद मैंने प्रार्थना करते हुए कुछ दर्शन देखे, परमेश्वर के एक सेवक ने कहा कि यह पौलुस की बुलाहट थी। मैं डर गयी क्योंकि मैं सामने नहीं जाना चाहती थी और इसलिए मैं बैठ गयी।

परमेश्वर के सेवक ने कहा कि तुम में से कुछ लोग आगे आने से रूक गए हैं और अपने स्थान पर बैठ गए हैं। परमेश्वर के दूत आपका हाथ पकड़कर आपको आगे लाने वाले हैं। एक बार उन्होंने यह कहा तो मुझे लगा कि दो लोग मेरा हाथ पकड़कर मुझे आगे ले जा रहे हैं। जब मेरी आँख खुली तो मैं ठीक सामने खड़ी थी। उन्होंने कहा कि वे सब जो आगे आए हैं उन्हें पौलुस की बुलाहट थी। इसलिए, परमेश्वर ने मुझे पौलुस की बुलाहट दी।

पौलुस की बुलाहट प्राप्त करने के बाद, अब आप क्या कर रही हैं?

हम तीनों ने मिलकर प्रार्थना की और सेवकाई शुरू की। हम ट्रैक्ट वितरित करते हैं, प्रार्थना की याला करते हैं, जो बीमार हैं उनके पास जाते हैं और उनके लिए प्रार्थना करते हैं, रविवार की कक्षाएं लेते हैं, हम उन बच्चों को सुसमाचार साझा करते हैं जो मसीह नहीं जानते हैं और उनके अनुसार उनका नेतृत्व करते हैं। लेकिन मैं मोबाइल फोन की लत से बाहर नहीं आ सकी। शिविर के बाद, मेरी प्रार्थना का समय बढ़ गया। मैं प्रार्थना के समय ज्यादातर समय यीशु के साथ बिताती थी लेकिन मैं अपने मोबाइल का उपयोग करना बंद नहीं कर सकी थी। मैं मोबाइल का उपयोग तब भी करती थी जब वह चार्ज में होता था और व्हाट्सएप में स्टेटस की लगातार जांच करती रहती थी।

शिविर के एक महीने के भीतर, मेरा मोबाईल में खराबी आ गई और मैं उसका उपयोग करने में असमर्थ थी। घर पर उन्होंने कहा कि वे मुझे नया मोबाइल नहीं खरीद सकते इसलिए मैंने यीशु से प्रार्थना की और कहा कि मुझे मोबाइल दो। लेकिन मुझे मोबाइल नहीं मिला। बाद में मुझे मोबाइल से नफरत होने लगी और परमेश्वर ने मोबाइल की लत से पूरी तरह मुक्ति दिला दी। 9 महीने तक मैं बिना मोबाइल फोन के रही। वर्तमान में मैं कॉन्फ्रेंस प्रार्थना करने के लिए साधारण बटन मोबाइल पर उपयोग

कर रही हूँ। मैं लोगों की नज़रों में महत्वहीन थी लेकिन परमेश्वर ने मुझे उनकी सेवा करने के लिए उठाया। वर्तमान में मैं अपने शहर में एक ब्राउज़िंग केंद्र में काम कर रही हूँ। मैं उन सभी से सुसमाचार साझा करती हूं जो यहां ब्राउज़ करने के लिए आते हैं। रात में हम कॉन्फ्रेंस कॉल में जुड़ते हैं और प्रार्थना करते हैं। अगर कोई मुझे आमंत्रित करता है, तो मैं उनसे मिलने जाती हूं। अब, मैं मसीह के लिए एक राजदूत हूँ।

यह जानकर बहुत अच्छा लगता है कि परमेश्वर आपका कैसे उपयोग कर रहा है। आप हमारे युवाओं को क्या साझा करना चाहेंगी?

वचन हमें अपनी जवानी के दिनों में अपने सृष्टिकर्ता को याद करना सिखाता है। परन्तु शैतान हमें प्रलोभित करके और हमें अनेक पापों में फँसाकर अपने सृष्टिकर्ता को याद करने से रोकेगा। इन सब से बचने का एक ही उपाय है कि प्रभु की उपस्थिति में रहो और प्रेम करो और उसके वचनों का मनन करो।

सावधान रहो कि इस संसार के सुखों के आदि न हो जाओ। इन सब प्रलोभन पर विजय पाने के लिए आत्मा की तलवार का उपयोग करो और परमेश्वर के लिए उत्साही बनो और प्रार्थना में दृढ़ रहो। वही परमेश्वर जिसने मेरे जीवन में अनेक चमत्कार किए वही आपके जीवन में भी कर सकता है।

प्रिय नौजवानों! परमेश्वर ने बहन जेंसी को फिल्मों, सीरियल्स, मोबाइल की लत से छुड़ाया और उसके जरिए एक बड़ी फौज खड़ी कर रहा है। क्या आप भी ऐसे किसी पाप में फँसे हैं? आज ही परमेश्वर के सामने अर्पण करें और समर्पण करें और आपको छुटकारा मिल जाएगा। आप भी बन सकते हैं मसीह के राजदूत...!

खुद पे भरोसा
एक मजबूत "हाथ" निकला!

युवा विजेताओं को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। इस दुनिया में रहने वाला हर इंसान कुछ हासिल करना चाहता है और एक सफल जीवन जीना चाहता है। लेकिन अगर यह बना रहता है तो आप सफल नहीं हो सकते हैं। आपको एक कदम और ऊपर जाना चाहिए और इसके लिए संघर्ष करना चाहिए। यहां हम आपके सामने एक ऐसी युवा विजेता का जीवन प्रस्तुत कर रहे हैं जिसने अपने सपने के लिए कड़ी मेहनत की।

बेथनी मिलानी हैमिल्टन का जन्म 8 फरवरी 1990 को हुआ था। उन्होंने तीन साल की उम्र में सर्फिंग सीखना शुरू किया और आठ साल की उम्र में सर्फिंग शुरू कर दी। वह सर्फिंग को लेकर बहुत उत्सुक और भावुक थी। वह इसमें उपलब्धि हासिल करना चाहती थी। उसका जीवन तब तक अच्छा था जब तक कि वह एक दुर्घटना में नहीं पड़ी। 31 अक्टूबर 2003 को 13 साल की उम्र में वह अपने दोस्तों के साथ सर्फिंग के लिए समुद्र में गई। बेथनी अपने दोस्तों के साथ सर्फ बोट पर लेटे हुए आराम कर रही थी, अप्रत्याशित रूप से एक 14 फुट लंबी टाइगर शार्क ने उस पर हमला कर दिया। उसके दोस्त उसे पास के अस्पताल में ले गए। न केवल उसने उसके शरीर से आधा खून तक खो दिया, पर अपना बायां हाथ भी पूरी तरह से खो गया। उसने इस स्थिति के बीच खुद को नीचे नहीं रखा। दुर्घटना के कुछ दिनों के भीतर, वह फिर से सर्फिंग करने लगी। उसने कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार जीता। उसने खुद को दुनिया सर्वश्रेष्ठ सर्फर साबित किया। 2012 में सर्फिंग में, बेथनी रिप कर्ल कप में भाग लेने वाली पहली महिला थीं।

2016 में, बेथनी ने 6 बड़ी प्रतियोगिताओं में भाग लिया और 6 बार विश्व चैंपियनशिप जीती। आज बेथनी हर भावुक लोगों के लिए लोकप्रिय सर्फर, लेखक और प्रेरक वक्ता के रूप में एक बड़ा आदर्श स्थापित करती है।

मेरे प्यारे दोस्तों जो इसे पढ़ रहे हैं, बेथनी हैमिल्टन ने अपना जुनून नहीं छोड़ा - अपनी बांह खोने के बाद भी सर्फिंग की, इसके बजाय वह वापस लड़ी और अपने जीवन में सफल हुई। आज वह एक अद्भुत विजेता है। क्या आप किसी ऐसी चीज में सफल नहीं हो पा रहे हैं जिसे आप हासिल करने के लिए निकले हैं? क्या आप कोशिश करते-करते थक गए हैं? हिम्मत मत हारो! संघर्ष करो, और अधिक प्रयास करो, तब तक संघर्ष करो जब तक तुम सफल न हो जाओ। एक न एक दिन सफलता आपके गले लग ही जाती है। क्या आप काउंटर तैराकी के लिए तैयार हैं दोस्तों!!!

क्या मेरी इच्छा पूरी होगी?

मैंने 12वीं अच्छे अंकों से पास की है। मेरी इच्छा है की मैं दृश्य संचार का अध्ययन करूँ और मीडिया में सफल होऊं। लेकिन मेरे माता-पिता ने मुझे मीडिया के बजाय कंप्यूटर साइंस पढ़ने के लिए मजबूर किया और मुझे इसमें डाल दिया। इसलिए मैंने इसके लिए आवेदन किया और अपने माता-पिता के आग्रह के कारण प्रवेश ले लिया। वे मुझे कुछ ऐसा अध्ययन करने के लिए कहते हैं जो मुझे पसंद नहीं है। मुझे कॉलेज जाने से नफरत है। लेकिन मुझे मीडिया के क्षेत्र में कुछ नया और रचनात्मक करना अच्छा लगता है। क्या मुझे उस पाठ्यक्रम में जारी रहना चाहिए जिसे मैं सीखना पसंद नहीं करती? या मुझे उस पाठ्यक्रम में शामिल होना चाहिए जो मुझे पसंद है? क्या आप कृपया मेरी उलझन का समाधान बता सकते हैं? - रंजनी, त्रिची।

प्रिय बहन! मैं आपकी पीड़ा और अपने पसंदीदा पाठ्यक्रम का अध्ययन न कर पाने के अफसोस को समझता हूं। आपके सपने के टूटने के दर्द ने आपकी आत्मा में एक स्थायी घाव कर दिया है। मैं यह भी महसूस कर सकता हूं कि आपको अपनी इच्छा और सपने को पूरा करने का मौका नहीं दिया गया।

रंजनी, मैं समझ सकता हूँ कि आपके माता-पिता आपके सपने को नहीं समझ सके। हालाँकि माता-पिता हमारे अच्छे के लिए सब कुछ करते हैं, लेकिन जब शिक्षा की बात आती है तो हमारे बजाय कुछ समय उनकी इच्छा पूरी हो जाती है।

रंजनी, आपके पास दो विकल्प हैं। एक, आप बीएससी कंप्यूटर विज्ञान ठीक की से पढ़ाई करने में असफल हो सकते हैं और अपनी पढ़ाई में रुचि खो दें और हो सकता है कि आप अपने करियर के उच्चतम स्तर तक न पहुंचें। दूसरा, अपने माता-पिता को खुश करना के लिए आप इसे एक चुनौती के रूप में ले सकते हैं और बीएससी कंप्यूटर विज्ञान पूरा करने के बाद अपने सपने पूरे कर सकते हैं।

रंजनी! जब आपके माता-पिता खुश हों और अच्छे मूड में हों, तो उन्हें अपनी इच्छाओं और सपनों के बारे में समझाने की कोशिश करें। हो सकता है कि अगर वे सुनते हैं, तो उनके लिए दृश्य संचार सीखने की आपकी पसंद को स्वीकार करने का एक मौका है। वरना एक रास्ता और है। कई युवा ऐसे हैं जो मनचाही नौकरी नहीं मिलने या पढ़ाई करने के इच्छुक नहीं होने के कारण फंस गए हैं।

लेकिन ऐसे कई लोग हैं जिन्होंने उस पाठ्यक्रम में अच्छी तरह से अध्ययन किया है जो उन्होंने प्राप्त किया और बाद

में अपने पसंदीदा सपनों के पाठ्यक्रम का अनुसरण किया। इसलिए यह महत्वपूर्ण क्षण है जहां आपको निर्णय लेना है। आपका दृढ़ संकल्प आपको अपने सपने को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगा।

यदि आप बीएससी कंप्यूटर विज्ञान का अध्ययन करने से इनकार करते हैं तो क्या होता है?

अपने सपनों के पाठ्यक्रम का अध्ययन न कर पाने का मलाल आपको पंगु बना सकता है और सीखने के प्रति घृणा पैदा कर सकता है।

यह नफरत आपको कॉलेज जाने से रोकेगी, जिसका परिणाम आपकी पढ़ाई में असफलता होगी।

जैसा कि आप अभी महसूस करते हैं, कॉलेज न जाने से उपस्थिति में कमी हो सकती है और आप सेमेस्टर परीक्षा नहीं दे सकते।

यदि आप ठीक से अध्ययन नहीं करते हैं, तो आप अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकते। यह आपके भविष्य को प्रभावित कर सकता है। आप कई लोग कैंपस इंटरव्यू जैसी चीजों में हिस्सा नहीं ले पाते हैं, उन परीक्षाओं में पास नहीं हों पाएंगे और उच्च पद पर नहीं पहुंच पाएंगे।

इससे घर में बेवजह की परेशानियां और उलझनें बनी रहेंगी।

जब आप ऐसा करते हैं, तो कोई भी आपको अपने सपनों की आकांक्षा में आगे बढ़ने और चमकने से नकार नहीं सकता है और न ही रोक सकता है।

शायद बीएससी करने के फायदे...

आप एक ऐसी डिग्री पूरी कर सकते हैं जिससे आपके माता-पिता खुश हों।

अगर आप बीएससी कंप्यूटर विज्ञान में अच्छी पढ़ाई करते हैं तो आप कंप्यूटर एप्लीकेशन विशेषज्ञ बन सकते हैं।

एक एप्लिकेशन विशेषज्ञ के रूप में, आपके पास दृश्य संचार में 3D डिज़ाइनिंग, इलस्ट्रेटर और फ़ोटोशॉप में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अधिक अवसर है।

बाद में आप अपने सपने के पाठ्यक्रम, दृश्य संचार को अपनी दूसरी डिग्री के रूप में आगे बढ़ा सकते हैं। क्योंकि आपने अपने दृश्य माता-पिता को जो आज्ञाकारिता दी थी, वह शुरू में उनके मन को बदल सकती है।

बीएससी कंप्यूटर विज्ञान करने के बाद आप नौकरी कर सकते हैं और फिर दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अपने दृश्य संचार पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाएं।

इसलिए आप अपने सपनों के पाठ्यक्रम की फीस का भुगतान स्वयं कर सकते हैं।

YOU DO YOUR BEST - GOD WILL DO THE REST

परमेश्वर आपको जुनून के साथ इस बीएससी कंप्यूटर साइंस कोर्स का अध्ययन करने में मदद करें। कुछ ऐसा करने की इच्छा होगी जिससे हम प्यार करते हैं। लेकिन चूंकि आपको कुछ ऐसा करने की मजबूरी है जो आपको पसंद नहीं है, इसलिए आपको इसे करने में मदद की जरूरत है। वह मदद यीशु मसीह से आती है।

वह आपको मीडिया उद्योग में एक सफल सितारे के रूप में चमकाएंगे। प्रार्थना करो और आगे बढ़ो!

Make an effort

प्रयास करना!

Work Hard

एक बच्चा रेंगने से लेकर जीवन में अपने लक्ष्य तक पहुँचने तक जो कुछ भी करता है, उसके लिए प्रयास की पूंजी की आवश्यकता होती है। सुख-दुःख, उतार-चढ़ाव से भरे हमारे जीवन में हम बिना परिश्रम के फल की आशा नहीं की जा सकती। हालांकि असंख्य परीक्षणों से प्रभावित होकर, केवल वही जो अपने स्वयं के प्रयासों से परीक्षणों पर विजय प्राप्त करता है, अंततः एक विजेता बन सकता है।

माइकल जॉर्डन ने खेल के क्षेत्र में कुछ हासिल करने के सपने के साथ कई खेलों में भाग लिया और अंत में हासिल करने के लिए बास्केटबॉल को चुना। उन्होंने एक बार बास्केटबॉल टूर्नामेंट में अच्छा खेला, अपने कौशल का विकास किया और जिला स्तर पर अपने स्कूल का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने के बड़े सपने के साथ इंतजार कर रहे थे। जब उनका नाम उस सूची से गायब हो गया, तो उन्होंने बिना निराश हुए आगामी वर्ष में सूची में शामिल होने के लिए दिन-रात अभ्यास करना शुरू कर दिया।

जबकि वह अगले वर्ष अपनी स्कूल टीम का हिस्सा बनना चाहता था, यह फिर से निराशा

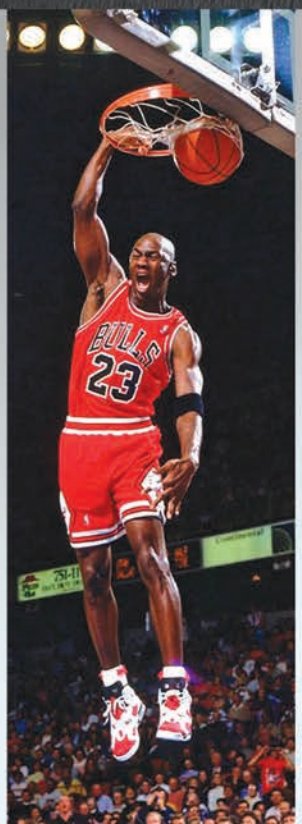

में समाप्त हो गया। जब वह अपने कोच के पास गया और पूछा कि वह राज्य की टीम का हिस्सा क्यों नहीं है, तो उसने कहा कि वह सीनियर डिवीजन में खेलने के लिए पर्याप्त लंबा नहीं है। वह उदास होकर घर लौट आया, उसकी माँ ने उसे जूनियर डिवीजन में खेलने की सलाह दी और उसने ध्यान दिया।

उनकी कड़ी मेहनत ने उन्हें जूनियर डिवीजन में स्टार एथलीट बना दिया। इसके अलावा उन्होंने अपनी हाइट बढ़ाने की हर संभव कोशिश की। अपने सपने को हासिल करने के उनके सारे प्रयास रंग लाने लगे। जिला, राज्य और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलकर उन्होंने बास्केटबॉल (एनबीए) में चमकना शुरू किया।

वह बास्केटबॉल में अग्रणी खिलाड़ी बन गया, और वह आज तक है क्योंकि उसने अपनी माँ की बात मानी और कड़ी मेहनत की। आज भी कई किशोर अपने जीवन में बड़े सपने देखते हैं लेकिन आगे बढ़ने के लिए कोई प्रयास नहीं करते हैं। बाइबल कहती है, "मेहनती किसान को फसल का हिस्सा सबसे पहले मिलना चाहिए।" केवल वे ही जो अपने जीवन में प्रगति करने का प्रयास करते हैं, सफलता का फल चख सकते हैं। आपके जीवन में चाहे कुछ भी हो रहा हो, आप बिना प्रयास के सफल नहीं हो सकते।

अपने प्रयासों में मनुष्य की खुशी उसके लिए परमेश्वर की कृपा है। एक बार जब पतरस समुद्र में बिना एक मछली के सारी रात मेहनत करता रहा, तो यीशु ने उससे कहा, "गहरे पानी में जा, और मछलियाँ पकड़ने के लिये जाल डालो।

शमौन ने उत्तर दिया, "हे स्वामी, हम ने सारी रात कठिन परिश्रम करके कुछ न पकड़ा, परन्तु तेरे कहने से मैं जाल डालूंगा।"—लूका 5:4-5। जब पतरस और उसके मित्र अपने अनुभव और शारीरिक शक्ति पर भरोसा करते हुए समुद्र में गए, तो उन्हें कुछ भी नहीं मिला। परन्तु जब उन्होंने प्रभु के वचन पर भरोसा रखकर, और उस पर आश्रित होकर, जाल डाला, तो बहुत मछलियां पकड़ लीं।

बाइबल यही कहती है, "तू अपनी समझ का सहारा न लेना, वरन सम्पूर्ण मन से यहोवा पर भरोसा रखना; उसी को स्मरण करके सब काम करना, और तेरे लिये सीधा मार्ग निकालेगा।" (नीतिवचन 3:5-6)। शायद अगर आप परमेश्वर की सलाह को नहीं समझते हैं या विश्वास नहीं कर सकते हैं, लेकिन जब आप बिना किसी संदेह के उनके वचन के अनुसार करते हैं, तो आपका कोई भी प्रयास व्यर्थ नहीं जाएगा। लेकिन अगर आप अपने ज्ञान, अनुभव और प्रतिभा पर भरोसा करते हो और परमेश्वर के वचनों की अवहेलना करते हो, तो चाहे आप कितनी भी कोशिश कर लो, आप असफल हो जाओगे।

जो इस्राएली यहोशू के नेतृत्व में ऐ नगर का भेद लेने के लिये कनान गए थे, वे लौटकर आए और कहा कि यह एक छोटा नगर है और हम सब को जाकर लड़ने की आवश्यकता नहीं है। अपनी शक्ति, ज्ञान और विश्वास के आधार पर, उन्होंने फैसला किया कि दो या तीन हजार लोग उन्हें जीतने के लिए पर्याप्त होंगे और भयानक हार में समाप्त हो गए।परन्तु पतरस ने परमेश्वर के वचन पर विश्वास करके जाल डाला, और बहुत सी मछलियां बटोर लीं। परन्तु जो इस्राएली अपने बल और अनुभव पर विश्वास रखते थे, वे असफल ही रह गए।

प्रिय प्यारे युवाओं! केवल अपनी इच्छा के बारे में सोचने से आपको जीवन में सफल होने में मदद नहीं मिलेगी। आपको उन विचारों को पूरा करने के लिए प्रभु में प्रयास करना चाहिए। जब आप अपनी शारीरिक शक्ति पर भरोसा करने के बजाय अपनी पढ़ाई, काम और भविष्य में परमेश्वर के वचन पर विश्वास करते हैं और भरोसा करते हैं, तो आप निश्चित रूप से सफलता देखेंगे।

आप लज्जित नहीं होंगे

'याकूब लज्जित न होगा, और न उसका मुंह फिर कभी काला होगा'; यशायाह 29:22

क्या आप डरावने विचारों से चिंतित हैं जैसे "शर्म आएगी? परमेश्वर का वादा पूरा होगा या नहीं? क्या मुझे कुछ होगा और मुझे शर्म महसूस होगी?" मेरे प्यारे बेटे और बेटी! तुम फिर कभी लज्जित न होगे, यहोवा की यही वाणी है।

'तुम्हारी लज्जा के बदले दूना आदर मिलेगा' (यशायाह 61:7)। आपको ऐसी किसी भी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ेगा जहाँ आपको अपना सिर नीचे करना पड़े। परमेश्वर आपको दुगनी आशीष देगा।

परमेश्वर आपको दुगुनी आशीष देने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा है और आपके जीवन से सभी बुराईयों को दूर करेगा।हम पढ़ते हैं कि 'जब उसने अपने दोस्तों के लिए प्रार्थना की तो परमेश्वर ने अय्यूब के नुकसान को बहाल कर दिया।

वास्तव में, यहोवा ने अय्यूब को पहले की तुलना में दुगना दिया' अय्यूब 42:10 में। परमेश्वर आपको दुगनी आशीषों के साथ बहाल करेगा, जितनी उसने अय्यूब के लिए के लिए किया था।

क्या कारण था कि परमेश्वर ने अय्यूब को दुगुनी बहाली की आशीष दी?

1. उसने नुकसान के मध्य परमेश्वर की स्तुति की।

जब हम अच्छी या बुरी सभी परिस्थितियों में परमेश्वर की स्तुति करते हैं, तो हमारे लिए दोगुनी आशीषें होंगी। चूँकि अय्यूब ने अपनी हानियों के बीच परमेश्वर की स्तुति की, इसलिए वह ऐसी आशीषों का अनुभव करने में सक्षम था। परमेश्वर हमारे विचारों और भावनाओं को देखता है, जब हम सभी समस्याओं और शर्मिंदगी और नुकसान का सामना करते हैं तो हम कैसी प्रतिक्रिया देते हैं देखता है। अय्यूब ने अपनी संपत्ति, अपने बच्चों और अपने स्वास्थ्य को खो दिया। उनकी पत्नी ने भी उनके साथ तिरस्कारपूर्ण व्यवहार किया। उसकी पत्नी चिल्ला पड़ी, "क्या तुम अब भी अपनी ईमानदारी पर कायम हो? परमेश्वर को कोसो, और मर जाओ"।

उसकी इस लज्जित स्थिति के बीच अय्यूब के मित्र यह देखने लगे कि अय्यूब के मुंह से क्या शब्द निकलेंगे। जब उन्होंने उसकी ओर देखा, तो अय्यूब ने पुष्टि की कि 'परमेश्वर ने दिया, और परमेश्वर ने ले लिया; प्रभु के नाम की महिमा हो ; इन सारी बातों में अय्यूब ने ना पाप किया और न परमेश्वर पर गलत आरोप लगाया ' (अय्यूब 1 :21,22)। यही कारण था कि परमेश्वर ने अय्यूब को दोगुनी आशीष दी। जब भी हमें कोई नुकसान या समस्या आती है तो हम स्वयं को नेक इंसान और परमेश्वर को आरोपी समझने लगते हैं और उसके खिलाफ कुड़कुड़ाने लगते हैं। जब हम कुड़कुड़ाते और बुड़बुड़ाते

हैं, तो शैतान आनन्दित होता है, पर परमेश्वर हमारे कारण उदास और लज्जित होता है।

आप चाहे जो भी नुकसान उठा रहे हों, प्रशंसा करते रहें, 'यीशु अच्छा है, वह कभी भी मुझ पर कोई बुराई नहीं आने देगा; परमेश्वर की स्तुति हो'! पवित्र शास्त्र कहता है, "हर हाल में धन्यवाद करो, क्योंकि तुम्हारे लिए मसीह यीशु में परमेश्वर की यही इच्छा है" (1 थिस्सलुनीकियों 5:18)

2. उन्होंने नुकसान के मध्य परमेश्वर पर भरोसा किया

अय्यूब कहता है, 'चाहे वह मुझे मारे, तौभी मैं उस पर आशा रखूंगा; मैं निश्चय उसके साम्हने अपनी चालचलन की रक्षा करूंगा।' (अय्यूब 13:15)। वह विश्वास के साथ पुष्टि भी करता है, 'मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है, और वह अन्त में पृथ्वी पर खड़ा होगा। (अय्यूब 19:25)। उसका विश्वास ऐसा था कि "मैं जानता हूं कि तू सब कुछ कर सकता है; तेरी कोई योजना रोकी नहीं जा सकती। (अय्यूब 42:2)। अय्यूब को पूरा भरोसा था कि 'उसकी वर्तमान स्थिति प्रबल नहीं होगी; उसका दुःख दूर हो जाएगा; परमेश्वर उसे दो गुना आशीष देगा; कोई भी मनुष्य अपने जीवन के लिए परमेश्वर की योजनाओं में बाधा नहीं डाल सकता'। आप निराश क्यों हैं? परमेश्वर में अपना विश्वास कबूल करो। विश्वास में मजबूत रहो। हमारा विश्वास दुनिया को जीत सकता है। विश्वास में कभी न हारें। निश्चित रूप से, परमेश्वर आपको उस शर्मिंदगी के लिए ऊपर उठाएंगे जो आपने झेली है।

3. उसने नुकसान के मध्य अपने दोस्तों के लिए प्रार्थना की

अय्यूब ने कभी भी अपने छुटकारे और स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना नहीं की। उसने अपने उन मित्रों के लिए प्रार्थना की जो उसके बारे में बुरा बोलते थे। हम अय्यूब 42:7 में पढ़ते हैं, परमेश्वर ने कैसे कहा, "मेरा क्रोध तुझ पर और तेरे दोनों मित्रों पर भड़का है, और जैसी ठीक बात मेरे दास अय्यूब ने कही है, वैसी तुमने मेरे विषय नहीं कही।" अय्यूब के दोस्तों के बात करने के तरीके से परमेश्वर नाराज हो गया था। उसने कहा कि उन्होंने अपने शब्दों से पाप किया है और यदि उन्हें क्षमा किया जाना चाहिए, तो यह केवल अय्यूब की प्रार्थनाओं से ही हो सकता है।परमेश्वर ने उन्हें केवल इसलिए क्षमा किया क्योंकि अय्यूब ने अपनी समस्याओं, तिरस्कार और बीमारियों के मध्य प्रार्थना की।

आज भी कई लोग टोने-टोटके में लगे हुए हैं, मनुष्यों की सेवा करते हैं और परमेश्वर को दुखी करते हैं। हम यहां उन लोगों के लिए अंतर में खड़े हैं और उनकी ओर से यह कहते हुए मध्यस्थता करते हैं, 'प्रभु, कृपया उनके पाप माफ कर दे, क्योंकि वे अज्ञानता में करते हैं'। जब हम ऐसी प्रार्थना करते हैं, तो परमेश्वर निश्चित रूप से उन्हें क्षमा करेगा और उन्हें उनके पापों से मुक्ति दिलाएगा।

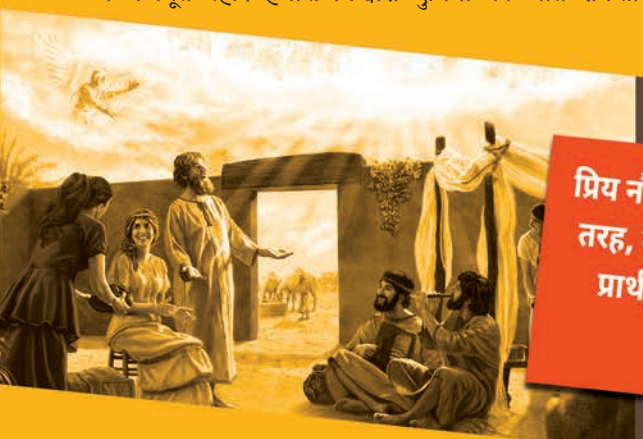

प्रिय नौजवानों! अपने आप को यह कहते हुए समर्पित करें, "अय्यूब की तरह, मैं तेरी प्रशंसा करूंगा, तुझ पर भरोसा रखूंगा और दूसरों के लिए प्रार्थना करूंगा।" तुमने जो लज्जा सही है, उसका दुगना प्रतिफल पाओगे। तुम्हें अब और लज्जित नहीं होना पड़ेगा!

प्रार्थना

पर्यावरण

- दुनिया के 30 सबसे प्रदूषित शहरों में से 21 भारत में हैं।
- औद्योगिक कचरा 51% वायु प्रदूषण पैदा करता है।
- 27% वायु प्रदूषण वाहनों के कारण होता है।
- वायु प्रदूषण से करीब 12 लाख लोगों की मौत होती है।

प्रार्थना विषय

1. आइए हम अपने पर्यावरण मंत्री श्री भूपेंद्र यादव और उद्योग और वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल पर परमेश्वर की बुद्धि और सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।
2. आइए हम प्रार्थना करें कि सरकार प्रकृति और पर्यावरण को प्रभावित करने वाला कोई कानून न लाए।
3. आइए हम प्रार्थना करें कि सरकार जल निकायों के प्रदूषण और कारखानों से निकलने वाले अवैध निर्वहन और धुएं के कारण सांस लेने वाली हवा को रोकने के लिए उचित कार्रवाई करे।
4. वायु प्रदूषण से होने वाली बीमारियों और मौतों से बचने के लिए आइए हम लोगों के लिए एक अच्छे प्राकृतिक वातावरण की प्रार्थना करें।
5. आइए हम प्रार्थना करें कि भारत में वायु प्रदूषण को रोका जाए और सरकार खतरनाक प्रदूषण पैदा करने वाले उद्योगों पर उचित कार्रवाई करे।

शिक्षा मंत्रालय

- भारत में 14 लाख स्कूल और 410 अंतरराष्ट्रीय स्कूल हैं।
- भारत में 900 विश्वविद्यालय और 40,000 कॉलेज हैं।
- इसमें करीब 32 करोड़ छात्र पढ़ रहे हैं।
- भारत में 6 से 14 वर्ष की आयु के लगभग 3 करोड़ बच्चे कभी स्कूल नहीं गए हैं।
- 5 से 9 वर्ष की आयु के बीच की 53% लड़कियां अशिक्षित हैं।
- भारत के 60% स्कूलों में कक्षा 1 से 5 के लिए औसतन 2 से कम शिक्षक हैं।

प्रार्थना विषय

1. आइए हम जून में स्कूल खुलने पर स्कूल जाने वाले हर बच्चे की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।
2. आइए हम प्रार्थना करें कि विद्यालय उचित शिक्षकों की नियुक्ति करें और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें।
3. आइए हम सरकार के लिए प्रार्थना करें कि वह भारत में उन 3.5 करोड़ लड़कों और लड़कियों को शिक्षित करने के लिए उचित कदम उठाए जो स्कूल से बाहर हैं।
4. आइए हम प्रार्थना करें कि स्कूलों का नवीनीकरण किया जाए और छात्रों को शैक्षिक सुविधाएं प्रदान की जाएं।
5. आइए हम प्रार्थना करें कि सरकार उन छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करे जो अपनी फीस का भुगतान करने में असमर्थ हैं और जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ हैं।

मार्गदर्शक

जून 2023

खेती

◀◀ भारत में 1.8 करोड़ किसान और 3.6 करोड़ खेतिहर मजदूर हैं।

◀◀ करीब 39.4 करोड़ एकड़ कृषि भूमि है। प्रत्येक किसानों पर करीब एक लाख का कर्ज है।

◀◀ मैं एक वर्ष में लगभग 1000 से 12000 किसान आत्महत्या करता है।

◀◀ भारत में लगभग 31 किसान प्रतिदिन आत्महत्या करते हैं।

◀◀ भारत में लगभग 1500 टन अनाज बर्बाद हो रहा है।

प्रार्थना विषय

1. आइए हम भारत के हर किसान और खेत की भलाई के लिए प्रार्थना करें।

2. आइए प्रार्थना करें कि जो किसान कर्ज के बोझ तले दबे हैं, उन्हें इससे मुक्ति मिले और कर्ज को चुकाने के लिए उनके दरवाजे खुलने की प्रार्थना करें।

3. आइए हम उन किसानों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं को रोकने के लिए प्रार्थना करें जो कर्ज के बोझ तले दबे हैं और अपनी खेती में नुकसान का सामना कर रहे हैं।

4. आइए हम उन किसानों की आशीष के लिए प्रार्थना करें जो कृषि पर निर्भर हैं और अपनी फसलों की खेती की प्रतीक्षा करते हैं।

5. आइए हम सरकार के लिए प्रार्थना करें कि वह अनाज को स्टोर करने के लिए आवश्यक भंडारण सुविधाएं प्रदान करे जिससे उसकी बर्बादी को रोका जा सके।

मानसिक तनाव

◀◀ भारत में लगभग 56 मिलियन लोग मानसिक तनाव से पीड़ित हैं।

◀◀ हर साल 2 लाख लोग मानसिक तनाव के कारण आत्महत्या कर लेते हैं

◀◀ एक अंतरराष्ट्रीय संगठन के एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में लगभग 1 लाख लोगों के लिए केवल 3 मनोचिकित्सक हैं।

◀◀ 15 से 24 वर्ष की आयु के प्रत्येक 7 में से एक व्यक्ति मानसिक तनाव से ग्रस्त है और कुछ भी करने में रुचि नहीं रखता है।

प्रार्थना विषय

1. आइए हम प्रार्थना करें कि मानसिक तनाव से पीड़ित 5.6 करोड़ लोग इससे मुक्त हों और खुशहाल जीवन व्यतीत करें।

2. हम प्रार्थना करें कि मानसिक तनाव से पीड़ित लोग कोई गलत निर्णय न लें।

3. आइए हम प्रार्थना करें कि मानसिक तनाव से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए पर्याप्त मनोचिकित्सक हों।

4. आइए हम प्रार्थना करें कि युवा पीढ़ी अपने भविष्य को नष्ट करने की शैतान की योजना से दूर रहे।

5. आइए हम अवसाद से पीड़ित लोगों के लिए अच्छे परामर्श केंद्रों और परामर्शदाताओं के लिए प्रार्थना करें।

शिमोन और पतरस

जब यीशु गन्नेसरेत के समुद्र के किनारे खड़ा था, तो उसका उपदेश सुनने के लिये बहुत से लोग इकट्ठे हो गए। इसलिए, यीशु ने शमौन और पतरस से नाव ली, जो समुद्र के किनारे मछली पकड़ने के जाल धो रहे थे। वह नाव पर खड़े होकर लोगों को उपदेश देने लगा। बाद में अपने उपदेश के अंत के बाद, उसने पतरस को समुद्र के गहरे छोर पर जाल खींचने के लिए कहा। पतरस एक मछुआरा था क्योंकि यह पीढ़ी दर पीढ़ी उसके परिवार का व्यवसाय रहा है। वह अच्छी तरह जानता था कि मछली कहाँ पकड़नी है लेकिन फिर भी वह रात भर मछली पकड़ने में असफल रहा।

यह जानकर, यीशु ने उसे गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए कहा, जिस पर पतरस ने उत्तर दिया, "स्वामी, हमने सारी रात मेहनत की है और कुछ भी नहीं पकड़ा, फिर भी तेरे कहने पर मैं जाल डालूंगा" (लूका 5: 5)। इसके बाद जो हुआ वह आश्चर्यजनक था, क्योंकि पतरस ने परमेश्वर के वचनों का पालन किया "... उन्होंने बहुत मछलियां घेर लीं, और उनका जाल फट गया" (लूका 5:6)।

प्यारे नौजवानों! जो चीजें हमारी इच्छा और अनुभव से संभव नहीं हैं, वे परमेश्वर द्वारा संभव हो सकती हैं। जब हम परमेश्वर के वचन का पालन करते हैं, वह हमारे हाथों के परिश्रम पर आशीष देगा!

हाजिरा

चूंकि सारा के कोई संतान नहीं थी, इसलिए उसने फुर्ती से अपनी दासी हाजिरा को इब्राहीम को पत्नी के रूप में देने का फैसला किया और हाजिरा गर्भवती हो गई। हाजिरा सारा को नीच समझने लगी। सारा यह बर्दाश्त नहीं कर सकी और उसने हाजिरा से क्रुरता का व्यवहार किया,परिणाम स्वरूप हाजिरा जंगल में भाग गई। वहां परमेश्वर का एक दूत प्रकट हुआ और उसकी स्थिति के विषय पुछा जिस पर हाजिरा ने जवाब दिया कि वह सारा से दूर भाग रही है।

उस दूत ने हाजिरा से सारा के स्थान पर वापस लौटने और उसके अधीन विनम्र होने के लिए कहा। क्योंकि हाजिरा गर्भवती थी, परमेश्वर ने उसकी कठिनाई को देखा और उसके बच्चे का नाम इश्माएल रखा (उत्पत्ति अध्याय 16)।

प्यारे नौजवानों! क्या आप हाजिरा की तरह किसी दर्दनाक मुसीबत से गुज़र रहे हैं? जब हम परमेश्वर के सामर्थी हाथ के नीचे अपने आप को दीन करेंगे, तब वह तेरी कठिनाई का परिश्रम तुझे देगा!

अक्विला और प्रिस्किल्ला

अक्विला और प्रिस्किल्ला पौलुस के खास दोस्त थे। उन्होंने कई बार पौलुस की मदद की थी। वे रोम में रहते थे। वे एक कानून के कारण रोम छोड़कर कुरिन्थुस चले गए (प्रेरितों के काम 18:2)। जब पौलुस सेवकाई के लिए कुरिन्थुस गया, तो उसने उनके साथ तम्बू बनाए। पौलुस उनके बारे में कहता है, "यीशु में मेरे सहकर्मी"। वे ना केवल सहकर्मी हैं पर उन्होंने भी बहुत सेवा की है। उन्होंने पौलुस के जीवन के लिए अपनी गर्दन दी। पौलुस को बचाने के लिए उन्होंने कई खतरों का सामना किया। उन्होंने पौलुस की रक्षा की और उत्पीड़न और संघर्षों के बीच पौलुस के जीवन को बचाने के लिए बहुत प्रयास किए। जब कुरिन्थुस में अपनी सेवकाई के दौरान पौलुस को बहुत विरोध का सामना करना पड़ा, तो वे उसे अपनी देखरेख में ले गए।

प्रिय युवाओं! इस जोड़ी को देखिए। जैसे वे परमेश्वर के एक दास के प्राणों को अपने प्राण देकर भी बचाने का यत्न करते हैं, वैसे ही आज क्या आप परमेश्वर के उन सेवकों के लिये कुछ करने का यत्न करते हो जो सताव और संघर्षों के कारण सेवकाई करने में असमर्थ थे?

मार्था

यीशु बैतनिय्याह में मार्था, मरियम और लाजर के घर गया। यीशु उनके परिवार से बहुत प्यार करता था। मार्था एक अच्छी गृहणी थी। जब वह आया तो उसने उत्साह से यीशु का स्वागत किया। उसने यीशु की सेवा करने के लिए बहुत कुछ करने की कोशिश की। जैसा कि वह यीशु की सेवा कर रही थी और एक तरफ स्वादिष्ट भोजन तैयार कर रही थी, उसने अपनी बहन मरियम के बारे में शिकायत की जो बिना किसी चिंता के परमेश्वर के शब्दों को सुन रही थी, जबकि वह बहुत सारे कामों में व्यस्त थी। लेकिन मार्था बहुत अधिक सेवा करने से विचलित हो गई थी, और उसने उसके पास जाकर कहा, "प्रभु, क्या आपको परवाह नहीं है कि मेरी बहन ने मुझे सेवा करने के लिए अकेला छोड़ दिया है? इसलिए उससे मेरी मदद करने के लिए कहो।" (लूका 10:40)। लेकिन यीशु ने उत्तर दिया, मार्था, तुम बहुत सी बातों के लिए चिंतित और परेशान हो। परन्तु एक बात अवश्य है, और उस उत्तम भाग को मरियम ने चुन लिया है, जो उस से छीना न जाएगा। (लूका 10:41,42)।

प्रिय युवाओं! जब आप मार्था की तरह सब कुछ करने के बजाय मरियम की तरह सही रास्ता चुनने का प्रयास करेंगे, तो आपको सबसे उत्तम भाग मिलेगा।

आँखें

परमेश्वर यहोवा ने मनुष्य को भूमि की मिट्टी से रचा और उसे जीवन दिया (उत्पत्ति 2:7)। मनुष्य का प्रत्येक अंग अद्वितीय है, जिसे परमेश्वर ने अपनी इच्छा के अनुसार बनाया है। यद्यपि शरीर में कई अंग हैं, वे सभी एक ही शरीर के लिए कार्य करते हैं (1 कुरिन्थियों 12:18-22)। मनुष्य के शरीर के अंग उसके आध्यात्मिक विकास या पतन का कारण बनते हैं। इसलिए यीशु ने कहा, 'मनुष्य के लिए यह भला है कि उसका एक अंग नष्ट हो जाए, बजाय इसके कि उसका सारा शरीर नरक में डाला जाए' (मत्ती 5:29,30)। आइए हम प्रत्येक अंग और हमारे आध्यात्मिक जीवन में इसकी भूमिका के बारे में कुछ रोचक तथ्यों पर ध्यान दें।

क्या आपने कभी सोचा है कि आप परमेश्वर द्वारा बनाए गए जंगलों, पहाड़ों और घाटियों की सुंदरता को कैसे देख सकते हैं और उसका आनंद ले सकते हैं? आंख वह प्रमुख अंग है जो मनुष्य को परमेश्वर की रचनाओं के शानदार स्वरूप को देखने और महसूस करने में मदद करता है। हालाँकि मनुष्यों की दो आँखें हैं, वे एक ही तल में स्थित हैं और हमें एक ही त्रि-आयामी छवि देखने में सक्षम बनाती हैं। इसे दूरबीन दृष्टि कहा जाता है। एक आँख का आकार 24.2 मिमी × 22.0-24.8 मिमी है। मनुष्य की आँख का 1/6 भाग कॉर्निया तथा 5/6 भाग श्वेत पटल होता है। इन दोनों के बीच लेंस है। आंखों के अंदर रेटिना होती है जो विटामिन ए से भरपूर होती है। इसलिए आंखों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए विटामिन ए से भरपूर पपीता, साग और गाजर आदि खाने को कहा जाता है।

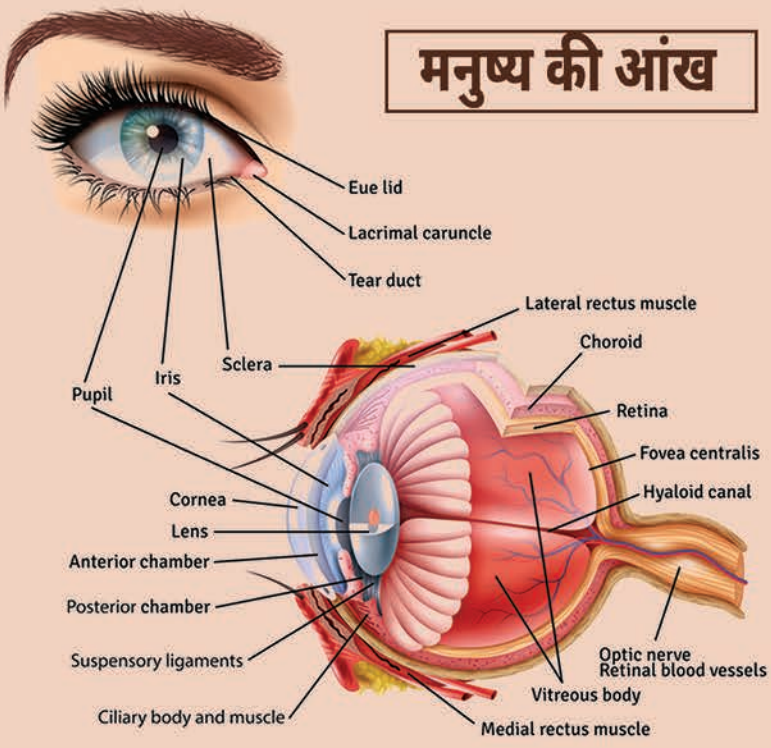

कॉर्निया और लेंस के बीच जलीय हास्य और लेंस और रेटिना के बीच कांच का हास्य होता है। मानव आंख का रंग इस आइरिस (पेशी भाग) पर निर्भर करता है । आइरिस कई रंगों में आती है जैसे काला, हरा, नीला, भूरा। यह मेलेनिन वर्णक के कारण होता है। भारतीय ज्यादातर काली आंखों वाले होते हैं।

जब किसी वस्तु को देखते हैं, तो उसमें से प्रकाश कॉर्निया से टकराता है, फिर जलीय हास्य में प्रवेश करता है, लेंस द्वारा पुतली (आइरिस के बीच में छेद) के माध्यम से अपवर्तित होता है, विट्रीस ह्यूमर में प्रवेश करता है, और रेटिना पर ध्यान केंद्रित करता है। फिर यह एक दृश्य आवेग बन जाता है और ऑप्टिक तंत्रिका के माध्यम से मस्तिष्क के पश्चकपाल पालि में दृश्य कॉर्टेक्स तक पहुंचता है। इस प्रकार मानव आँख, प्रकाश की सहायता से, वस्तुओं की छवि को एक पल में पकड़ लेती है और समझ लेती है। अश्रु ग्रंथियों और मेइबोमियन ग्रंथियों द्वारा स्रावित आँसू आँखों को शुद्ध करने और भावनाओं को व्यक्त करने में मदद करते हैं।

खैर, अब हम देखेंगे, हमारे आध्यात्मिक जीवन में आँखों का महत्व।

अंधे लोग भी जब यीशु को देखते हैं तो उन्हें अनन्त जीवन का मार्ग मिल जाता है। हम में से कितनों को जिन्हें परमेश्वर की सृष्टि की महिमा करने का अवसर मिला है, अनन्त जीवन का मार्ग मिल गया है (यूहन्ना 14:6)?

पुराने नियम में, परमेश्वर ने अपने लोगों को व्यभिचार न करने की आज्ञा दी थी। लेकिन नए नियम में, यीशु ने कहा "... जो कोई भी एक महिला को उसके लिए वासना के लिए देखता है, वह पहले से ही अपने दिल में उसके साथ व्यभिचार कर चुका है।" (मत्ती 5:28)। यह सिखाता है कि जब हमारी आंखें विपरीत लिंग या व्यक्ति को देखती हैं, तो हमें अपनी दृष्टि में पवित्रता की आवश्यकता होती है। दृष्टि में पवित्रता केवल वासनापूर्ण दृष्टि का परिहार नहीं है। परमेश्वर के मानक में, घमण्डी दृष्टि (नीति. 21:4, नीति. 30:13) और नीच दृष्टि भी पाप है (उत्प. 29:31)।

परमेश्वर की दृष्टि ने दाऊद को उसके हृदय के अनुसार पाया। यद्यपि दाऊद ने परमेश्वर की आज्ञाओं के विरुद्ध पाप किया था (2 शमूएल 11), उसने वास्तव में पश्चाताप किया और परमेश्वर से प्रार्थना की जब उसे नातान ने आश्वस्त किया (भजन संहिता 51)। चूँकि उसने वह सब किया जो परमेश्वर को भाता था, और परमेश्वर के लोगों के लिए उसके सच्चे प्रेम के कारण, परमेश्वर ने उसके बारे में गवाही दी और यीशु को उसके वंश में इस्राएल के उद्धारकर्ता के रूप में खड़ा किया (1 राजा 15:5; प्रेरितों के काम 13:22,23)।

आइए हम प्रतिदिन प्रयास करें कि न केवल हमारा बाहरी रूप, बल्कि हमारा आंतरिक मनुष्यत्व (हृदय और मन) भी पवित्र हो और जब वह हमें देखे तो उसकी आँखों के सामने प्रसन्न हो। आइए हमारी आंखों की पवित्रता की रक्षा करें !

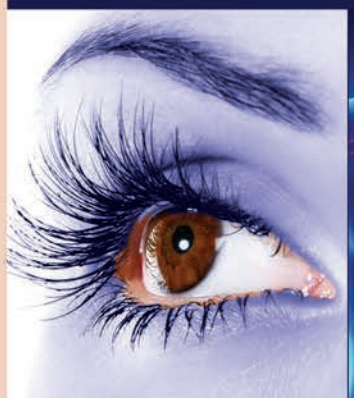

अपने वादों को विरासत में लेने के लिए

नियम एवं शर्तें

प्रिय भाइयों और बहनों! एक और नए महीने में आपसे मिलने के लिए मैं दिल से परमेश्वर की स्तुति करता हूं। मुझे लगता है कि आप सभी को अपने परीक्षा परिणाम मिल गए होंगे। आप में से अधिकांश नए स्कूलों और कॉलेजों की ईमानदारी से खोज में होंगे। शुभकामनाएं! परमेश्वर आपके सभी प्रयासों को आशीष दे! इस महीने के वादों और शर्तों में, हम बहुत कुछ देखने वाले हैं। हम लूत के बारे में देखने जा रहे हैं।

लूत, अपने जीवन के लिए भाग ...

लूत नाम घूंघट या किसी छिपे हुए को दर्शाता है। वह अब्राहम के भाई हारून का पुत्र है। वह अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ सदोम नगर में रहता था। "परन्तु सदोम के लोग यहोवा के विरुद्ध अत्यन्त दुष्ट और पापी थे।" (उत्पत्ति 13:13)

"... क्योंकि सदोम अमोरा के विरुद्ध बड़ी चिल्लाहट है, और उनका पाप बहुत भारी है," (उत्पत्ति 19:13)। जो लोग वहां रहते थे, जवानों से लेकर बूढ़ों तक पाप में डूबे हुए थे और उन्हें परमेश्वर का भय नहीं था (उत्पत्ति 19:5)। परन्तु परमेश्वर लूत के घराने के धर्मियों को छुड़ाना चाहता था (2 पतरस 2:8)।

परमेश्वर द्वारा सदोम में भेजे गए स्वर्गदूतों ने लूत के परिवार का हाथ पकड़ा और उन्हें नगर से बाहर ले आए और कहा, "यदि तुम जीवित रहना चाहते हो, तो 1. भाग, 2. पीछे मुड़कर मत देखो, 3. कहीं मत रूको।" लूत का परिवार अपनी जान बचाने के लिए भागा। लेकिन उसकी पत्नी शहर को छोड़ना नहीं चाहती थी और पीछे मुड़कर देखा कि शहर में क्या हो रहा है। अगले ही पल वह नमक का खंभा बन गई। लूत और उसकी दो बेटियाँ बिना पीछे देखे भाग गए और बच गए। लूत का जीवन हमें क्या बताता है?

1. वासना से भरी आँखें

लूत कनान में अपने चाचा इब्राहीम के साथ रह रहा था। चूँकि उनका धन एक साथ प्रचुर मात्रा में था, इसलिए वे एक स्थान पर नहीं रह सकते थे।

इसलिए उन्होंने अलग होने का फैसला किया। लूत ने महसूस किया कि यरदन नदी के दोनों ओर की भूमि फल-फूल रही थी

और इसे यहोवा का बगीचा कहा (उत्पत्ति 13:10) इसलिए उसने पूर्व की ओर यात्रा की और सदोम के पास उसके लिए एक तम्बू खड़ा किया। लूत ने प्रभु की ओर नहीं देखा और पूछा, "तुम वही हो जो मुझे यहां तक ले गए। अब मुझे किस क्षेत्र में जाना चाहिए? इसके बजाय, उसने उस तरफ को चुना जो उसकी आंखों में हरा और फलता-फूलता दिख रहा था। लेकिन यह एक पापमय स्थान था।

मेरे प्यारे नौजवानों! अपने जवानी के दिनों में, जहाँ भी आप देखते हैं, फलफूल रहा है। केवल देखकर ही किसी बात का निर्णय न लें। अंत में आपका चुनाव गलत होगा।

प्यार के जादू के जाल में मत फंसो। आप जिस व्यक्ति को देख रहे हैं वह धनी, सुंदर, आकर्षक और हमेशा प्यार करने वाला लग सकता है। वह आपके पास ब्रांडेड कारों में आ सकता है और शीर्ष उत्पादों का उपयोग कर सकता है। केवल उसके बाहरी व्यक्तित्व को देखकर, यह अनुमान लगाकर मूर्ख मत बनो कि, वह तुम्हारी अच्छी तरह से देखभाल करेगा।

किसी पर भी आंख मूंदकर भरोसा न करें और अपनी जान गंवा दें। जब वास्तविकता की मार होगी, तो आप बिलकुल अकेले होंगे और आपका जीवन एक बड़ा प्रश्न चिह्न होगा। प्यारी बेटी, तुम्हारे माता-पिता का तुम्हारे लिए एक बड़ा सपना है। उनकी प्रतिष्ठा और सपनों को विकृत और अपमानित न करें।

अपनी पढ़ाई, नौकरी या शादी के लिए, हमेशा प्रभु यीशु से सलाह लें और पूछें, "मुझे कौन सा समूह चुनना चाहिए? मुझे किस कॉलेज में शामिल होना चाहिए? मुझे विदेश जाना चाहिए या नहीं?" वह सबसे अच्छा परामर्शदाता और पिता है। वह आपको बेहतरीन सुझाव देंगे और आपको सही रास्ते पर ले जाएंगे। शायद, आपके परीक्षा परिणाम नकारात्मक हैं और आपको अपेक्षित अंक नहीं मिले हैं। आप अपने अपेक्षित पाठ्यक्रम में शामिल नहीं हो सकते हैं। इसके लिए अपने जीवन को समाप्त करने के बारे में मत सोचो। आप मरने के लिए पैदा नहीं हुए हैं, बल्कि आपका उद्देश्य सफल होना है। स्वस्थ जीवन जीने के बहुत से तरीके हैं। हम जीतें या हारें दुनिया हमें दोष देगी। डरो नहीं! परमेश्वर आपकी मदद के लिए आपकी तरफ है। बाहरी सुंदरता के आधार पर चीजों या लोगों का न्याय न करें। सुंदरता खतरनाक है। सूखे को समृद्धि के रूप में न चुनें।

2. अपने जीवन को पाप से बचाने के लिए दौड़ो

मेरे प्यारे बच्चों, दुनिया हर जगह पाप से भरी हुई है। आधुनिक आविष्कार ही हमें पाप के करीब ले जाते हैं। जिस परमेश्वर ने लूत के परिवार को पापी लोगों से बचाया वह हमारे लिए भी ऐसा ही करने के लिए पर्याप्त सामर्थी है। यहां तक कि जब यूसुफ को अपनी वासना को बुझाने का मौका मिला, तो उसने कहा, "मैं परमेश्वर के खिलाफ पाप कैसे कर सकता हूं?" और अपना लबादा छोड़कर भाग गया।" 30 वर्ष की आयु में, यहोवा ने उसे मिस्र के शासक के रूप में खड़ा किया, जहाँ वह दास था।

क्या आप पापों के गढ़ से ठोकर खा रहे हैं और बचने का मार्ग नहीं जानते? किसी के लिए बेकार नमक का खंभा मत बनो अब समय आ गया है कि तुम उठो। परमेश्वर ने आपका हाथ पकड़ रखा है। अपने पापों को परमेश्वर के सामने स्वीकार करो और उसकी क्षमा प्राप्त करो। पीछे मुड़कर न देखें, अपने जीवन के लिए दौड़ें, जो पीछे है उसे भूल जाएं और आगे की तलाश करें और लक्ष्य की ओर दौड़ें।

अनंत जीवन का उपहार आपकी प्रतीक्षा कर रहा है!

परामर्श में महान ऐ शहर!

नमस्कार प्यारे नौजवानों! हर महीने हम उन रणनीतियों की खोज कर रहे हैं जिन्हें परमेश्वर इस्राएलियों की लड़ाई और संघर्षों को संभालने के लिए चुनते हैं, इस खंड के माध्यम से, 'परामर्श में महान'। उसी के अनुरूप, इस महीने आइए हम पहली लड़ाई के बारे में जानें जो इस्राएल हार गया और सफल सुधारात्मक योजना जो परमेश्वर ने उन्हें दी।

इस्राएलियों ने लाल समुद्र को पैदल पार किया, वे यरदन नदी के पार ऐसे चले जैसे वह कुछ भी नहीं था, उन्होंने यरीहो की शहरपनाह को अपनी स्तुति से गिरा दिया। लेकिन क्या आप जानते हैं कि लोगों का यह शक्तिशाली समूह ऐ के अल्प आबादी वाले शहर से हार गया?

हाँ! भले ही उन्होंने परमेश्वर की शक्ति को कार्य करते हुए देखा था, वे भूल गए कि यहोवा कौन था और उसका हृदय क्या चाहता था। ऐ लोगों के खिलाफ उनकी भयानक विफलता का यही कारण है।

यद्यपि आकान की अनाज्ञाकारिता ने एक छोर पर इस घटना को जन्म दिया, यह अतिविश्वास था कि लोगों ने पिछली विजयों से प्राप्त किया जिसने उन्हें परमेश्वर से परामर्श किए बिना यहोशू के नेतृत्व में युद्ध करने के लिए विवश किया। लेकिन, परमेश्वर ने अपने लोगों को नहीं छोड़ा क्योंकि वह दयालु हैं।

जब यहोशू ने परमेश्वर से इस बारे में पूछताछ की और उनकी गलती को सुधारा तो हमारे शक्तिशाली सलाहकार ने उन्हें एक आश्चर्यजनक योजना दी।

योजना इस्राएलियों को तीन समूहों में विभाजित करने और लड़ाई लड़ने की थी।

पहला समूह: यहोशू ने 30,000 लोगों को ऐ नगर के पीछे रात के समय ठहराया।

दूसरा दल: यहोशू और कुछ योद्धा ऐ के उत्तर की ओर चल पड़े।

तीसरा दल: उसने बेतेल और ऐ के बीच की तराई में 5,000 लोगों को घात में बैठाया।

इस्राएलियों ने पहले सोचा कि वे आसानी से ऐ के लोगों पर विजय प्राप्त कर सकते हैं और परमेश्वर की सलाह के बिना 3,000 लोगों के साथ युद्ध करने गए। लेकिन एक बार हार जाने के बाद, उन्होंने खुद को परमेश्वर के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

क्या आप भी किसी स्थिति को छोटा समझकर परमेश्वर के मार्गदर्शन के बिना संभालने की सोच रहे हैं? हमारा परमेश्वर सब कुछ जानता है। यह मत भूलो कि वह सबसे बुद्धिमान है! इस्राएलियों ने पहले ऐ को उनके 3,000 लोगों के साथ पराजित करने के बारे में सोचा था, लेकिन परमेश्वर ने उन्हें 30,000 लोगों को शामिल करने की योजना दी। कितना अद्भुत है!

इस बार इस्राएलियों ने ऐ के विरुद्ध युद्ध जीता। परमेश्वर वास्तव में सबसे अच्छा परामर्शदाता है! देखो! परमेश्वर के विचार और योजना गहरे हैं। प्रिय नौजवानों! क्या आपने शहर को शुद्ध करने के लिए परमेश्वर की रणनीति पर ध्यान दिया? उस समय लड़ाई शरीर में लड़ी जाती थी। लेकिन हमारे अंत के दिनों में हमारी लड़ाई मांस या लहू के खिलाफ नहीं है, बल्कि शैतान के कार्यों के खिलाफ है।

बस इसके बारे में सोचो! यहोशू के वंशजों ने परमेश्वर के वचनों का पालन किया और नगर को जीत लिया। इसी तरह, क्या आप अपने नियत स्थान को जीतने के लिए किसी बिंदु पर पहुँच गए हैं?

परमेश्वर की जागृति के योद्धाओं! दुश्मन को पहचानो, यहोशू की पीढ़ी की तरह लड़ो, लड़ाई जीतो और उस पर अधिकार कर लो!

"अवसर को बहुमुल्य समझो, क्योंकि दिन बुरे हैं।" (इफिसियों 5:16)

कड़ी मेहनत...

मेरे प्यारे भाइयों और बहनों, प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम में नमस्कार। मुझे आशा है कि आप सभी अच्छा कर रहे हैं। इस लेख का शीर्षक है "उसने कड़ी मेहनत की"। (तीमुथियुस 2:6) में बाइबल कहती है, 'मेहनती किसान को पहिले उपज का भागी होना चाहिए।' इस पद में प्रेरित पौलुस अपने आत्मिक पुत्र तीमुथियुस को मसीह का सैनिक बनने के लिए कड़ी मेहनत करने के बारे में लिखता है। हां, मेरे प्रिय मित्रों, जब हम मसीह के लिए जीते हैं, तो हमें बहुत से क्लेशों से होकर गुजरना होता है। जब आप प्रेरितों के काम की पुस्तक को पढ़ते हैं तो आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि कैसे शिष्यों और प्रेरितों को मसीह के लिए सताया गया था।

इतना ही नहीं, मसीह ने स्वयं दर्दनाक उत्पीड़न सहा था और हमारे लिए क्रूस पर मरा था।

उसकी कड़ी मेहनत के कारण हम सभी को हमारे पापों से छुटकारा मिला है और आज हम विश्वासी हैं। इसके अलावा, उसकी कड़ी मेहनत के परिणामस्वरूप और उसने खुद को मौत के घाट उतार दिया है, (फिलिप्पियों 2:9-11) में हम पढ़ते हैं "इस कारण परमेश्वर ने उसे सबसे ऊंचे स्थान पर ऊंचा किया, और उसे वह नाम दिया जो सब नामों में श्रेष्ठ है"।

मेहनत का फल मिलता है। वह भी मसीह में की गई मेहनत का फल अवश्य मिलेगा। (2 तीमुथियुस 2:6) कहता है, "मेहनती किसान को अपना भाग पहिले प्राप्त करना चाहिए।" क्या तुम कड़ी मेहनत कर रहे हो? क्या आप एक स्कूली छात्र हैं जो अपने विषयों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं? कॉलेज के छात्र, क्या आप अपने कॉलेज के विषय और स्नातक में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं? यह वचन आपको विश्वास दिलाता है कि जब आप इस तरह से कठिन परिश्रम करेंगे तो आप निश्चित रूप से सफल होंगे।

इन सबसे ऊपर, क्या आप यीशु मसीह के लिए एक अच्छी गवाही देने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं? हाँ, मेरे प्यारे दोस्तों, एक मसीही के रूप में हमारी पहली बुलाहट है कि हम यीशु मसीह के सच्चे शिष्य बनें। इसके लिए कड़ी मेहनत करो। आप अपने स्कूल, कॉलेज या कार्यस्थल में कड़ी मेहनत कर सकते हैं। जब आप कठिनाइयों के रूप में नहीं बल्कि मसीह में विश्वास के साथ उनका सामना करते हैं, तो परमेश्वर आपको परिश्रम के फल से आशीषित करने के लिए विश्वासयोग्य है।